सादर प्रकाशनार्थ,

नशा–मुक्ति परामर्श शिविर और परिचर्चा सम्पन्न

कटघोराः30.01.2017– प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं अक्षय हास्पिटल कोरबा के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथी पर नशा–मुक्ति परामर्श शिविर और परिचर्चा का आयोजन विषय–वेस्ट को बेस्ट कैसे बनायें? ब्रह्माकुमारी पाठ्शाला, मेला ग्राउण्ड तालाब के पास कटघोरा में आयोजित की गई। नवोदय ज्ञान विद्या मंदिर से छाया साहू, ऐश्वर्या, धारणा साहू, वीणा रजक, कहेकशक, लता साहू 8वीं तथा सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय से कु. तलत परवीन, भिमाशु कुर्रे 11 वीं ने वेस्ट मटेरियल से बहुत ही सुन्दर आकर्षक माडल की प्रस्तुति की। अण्डे के छिलके पर प्रतिमा बहुत ही आकर्षक लग रही थी तथा घर गांव को कैसे स्वच्छ रखने का एक संदेश दे रहा था। दूसरा माडल नशा से कैसे एक इसान का जीवन सूखी कटीली झाड़ियों के समान हो जाता है और स्वयं के साथ साथ दूसरों को भी दुख देता है। एक माडल में सात चकों के ज्ञान के बारे में बतलाया गया था। बच्चों को स्वावलम्बी बनाने के लिये ब्रह्माकुमार धनेश साफ्टवेयर ने कैशलेस मार्केटिंग तथा वेब पेज की जानकारी दी तथा ब्रह्माकुमार संतोष ने डिजिटल फोटोग्राफी तथा वीडियोग्राफी पर प्रकाश डाला।

नशा मुक्ति परामर्श के लिये भ्राता के.सी.देबनाथ निर्देशक अक्षय हास्पिटल कोरबा ने नशे की बुरी लत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मात–पिता यदि नशा करते हैं तो बच्चे इनका अनुशरण सहज रीति से कर लेते हैं। आपने कहा कि तम्बाकू पोटेशियम साईनाइड के बाद दूसरा खतरनाक जहर ह। शराब का नशा शरीर को कमजोर बनाकर कैन्सर का कारण बन जाता है और लीवर खराब हो जाता है। नशे से मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता ह पागलपन व स्ट्रोक व पैरालेशिश का शिकार हो जाता है। भ्राता संतोष पाण्डेय प्राचार्य सरस्वती शिशु मंदिर कटघोरा ने कहा कि बच्चों ने अच्छे–अच्छे माडल बनाकर समाज को संदेश देने का सुन्दर प्रयास किया है। इस तरह के आयोजन निश्चित ही युवा मन में एक नई जाग्रति के साथ मानसिक चेतना का विकास करेंगें। भ्राता एफ. एल.रात्रे उ.व.शि. पूर्व मा.शाला कटघोरा ने कहा नशा समाज में एक फैशन बन गया है जो कि नैतिकता को खोखला कर देता है। इसका दुष्प्रभाव शरीर पर तो पड़ता ही है लेकिन परिवार में बच्चों का जीवन भी अंधकारमय हो जाता है। कु. तलत परवीन ने कहा नशा कुछ हमें देता नहीं है, लेकिन लेता ही है। ब्रह्माकुमारी पुष्पा बहन ने कहा कि भारत जो कि सोने की चिड़िया के नाम पर जाना जाता था वह आज

नशे के गर्त में चला गया है। यह विद्यालय मानव जाति को विचार धारा परिवर्तन का ज्ञान देते हैं। वर्तमान में परमात्मा इस धरा पर आकर राजयोग की शिक्षा देकर हमारे जीवन को श्रेष्ठ बना रहें हैं और इसी से यह धरा रामराज्य वा स्वर्ग बन जाता है। यही हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की संकल्पना थी। कु. कंचन ने गीत की प्रस्तुति की तथा भ्राता शेखरराम ने मंच का संचालन किया।

मानवता की सेवा में, ब्र.कु.रूकमणी